ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 08-10-2024

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-10-08 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-10-09	2024-10-10	2024-10-11	2024-10-12	2024-10-13
वर्षा (मिमी)	1.0	1.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	36.0	36.0	37.0	38.0	38.0
न्यूनतम तापमान(से.)	24.0	25.0	25.0	26.0	26.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	32	28	27	26
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	18	17	17	16	13
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	9	9	8	7
पवन दिशा (डिग्री)	60	141	209	205	219
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	3	4	0	6

मौसम सारांश / चेतावनी:

09 और 10 अक्टूबर को कहीं कहीं पर हल्की वर्षा की सम्भावना है।

सामान्य सलाहकार:

09 और 10 अक्टूबर को वर्षा की सम्भावना को देखते हुए खेत में कटाई की हुई फसल को ढेर बनाकर प्लास्टिक से ढक कर रखें ।

लघु संदेश सलाहकार:

09 और 10 अक्टूबर को कहीं कहीं पर हल्की वर्षा की सम्भावना है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
सरसों	किसान भाई सरसों/राया की बुवाई हेतु उन्नत किस्मों जैसे आर.एच -30, बायो-902, आशीर्वाद, सी.एच 54, डी.आर.एम.आर.आई.जे 31 (गिरिरीज), पुसा सरसों 26, पुसा सरसों 27, वाई.एस.एच 0401 (पीली सरसों) एंव आर.जी.एन.145 की व्यवस्था करें। बुवाई हेतु 4-5 किलो ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर के लिए पर्याप्त है। तापमान को देखते हुए सरसों की बुवाई अभी ना करें।
चना	किसान भाई चने की बुवाई हेतु उन्नत किस्मों जैसे सी. 235, आर.एस.जी 44, जी.एन.जी 663 वरदान, जी.एन.जी 2144 तीज, जी.एन.जी 2171 मीरा, जी.एन.जी 1488 संगम एंव आर.एस.जी 896 की व्यवस्था

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	करें। बुवाई हेतु 80-100 किलो ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर के लिए पर्याप्त है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को थनेला रोग से बचाने के लिए दूध निकालने की पूर्ण हस्त विधि का उपयोग करें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	जहॉ खरीफ की फसले परिपक्व अवस्था में हों वहॉ फसल की कटाई कर खेत खाली करें व सरक्षित नमी में सरसों व चने की बुवाई हेतु खेतों की तैयारी करें। रबी फसलों की तैयारी के लिए खेत की जुताई करने के तुरंत बाद पाटा अवश्य लगाएं ताकि मिट्टी से नमी का ह्रास न हो।
सामान्य सलाह	रबी फसलों की बुवाई से पूर्व खेत में 8-10 टन गोबर की खाद प्रति हैक्टेयर में डालें जो मृदा के भौतिक व जैविक गुणों को बडाती है तथा मृदा की जल धारण क्षमता भी बडती है।
सामान्य सलाह	अच्छी गुणवता के लिये बाजरा, मूँग तथा तिल की फसल को अच्छी तरह धुप में सुखाने के बाद ही थ्रेसिंग करें।